भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2386

दिनांक 10 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए
इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट

2386. **श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**

श्री सुधीर गुप्ताः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट (ईआईयू) ने हाल ही में विदेशी व्यापार, विनिमय नियंत्रण और कर व्यवस्था आदि में हुई प्रगति के बाद व्यापार वातावरण के संबंध में भारत को तीसरा सर्वाधिक सुधार करने वाला देश बताया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:

(ख) राजनीतिक माहौल, बाजार अवसर, मुक्त उद्यमों और सहयोग से संबंधित नीति आदि सहित विभिन्न श्रेणियों में उन मानकों/संकेतकों का ब्यौरा क्या है जिनके आधार पर ईआईयू सूचकांक किसी देश में व्यावसायिक वातावरण के आकर्षक होने की माप करता है;

(ग) क्या सरकार ने देश में कारोबारी माहौल में सुधार लाने के लिए निजी कंपनियों और विभिन्न अन्य हितधारकों के साथ कोई परामर्श/विचार-विमर्श किया है;

(घ) सरकार द्वारा व्यापार को आसान बनाने और देश में व्यापार को आकर्षित करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए किए गए/किए जा रहे अन्य उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) ईआईयू की उक्त रिपोर्ट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में किस प्रकार मदद करेगी?

उत्तर
<u>वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री</u>
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) द इकोनॉमिस्ट ग्रुप का शोध और विश्लेषण प्रभाग है, जो एक स्वतंत्र शोध और प्रिंट मीडिया है। अपने शोध अभ्यास के आधार पर, इसने हाल ही में ईआईयू की व्यावसायिक एनवायरनमेंट रैंकिंग जारी की है। उनकी रैंकिंग में, भारत को विदेशी व्यापार, विनिमय नियंत्रण और कर व्यवस्था आदि में की गई प्रगति के बाद व्यावसायिक एनवायरनमेंट के संबंध में तीसरे सबसे बेहतर देश के रूप में स्थान दिया गया है।

(ख): सार्वजनिक रूप से उपलब्ध संक्षिप्त रिपोर्ट के अनुसार, ईआईयू का व्यवसाय एनवायरनमेंट सूचकांक 11 विभिन्न श्रेणियों में फैले 91 संकेतकों की जांच के पश्चात 82 देशों और क्षेत्रों में व्यवसाय एनवायरनमेंट की आकृष्टता को मापता है । श्रेणियों में कार्यनीतिक एनवायरनमेंट, मैक्रो इकोनामिक एनवायरनमेंट, बाजार के अवसर, मुक्त उद्यम और प्रतिस्पर्धा नीति, विदेशी निवेश नीति, विदेशी व्यापार और विनिमय नियंत्रण, कर, वित्तपोषण, श्रम बाजार, अवसंरचना और तकनीकी तत्परता जैसे पैरामीटर शामिल हैं। 91

संकेतकों में से प्रत्येक को 1 (व्यवसाय के लिए अत्यधिक अनुपयुक्त) से 5 (व्यवसाय के लिए बहुत अच्छा) के पैमाने पर स्कोर किया जाता है, और इसमें मात्रात्मक और गुणात्मक प्रश्नों का मिश्रण होता है। पिछले पांच वर्षों और अगले पांच वर्षों दोनों के लिए अंक दिए जाते हैं।

(ग): वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय देश में व्यावसायिक एनवायरनमेंट को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रमुख नीतिगत सुधार विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र के प्रतिभागियों सहित विविध हितधारकों के साथ अक्सर परामर्श और सहयोग करता है।

(घ): उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) भारत में व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ाने के उद्देश्य से की जाने वाली पहलों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन प्रयासों का उद्देश्य अधिक अनुकूल व्यावसायिक एनवायरनमेंट बनाना, निवेश आकर्षित करना और ब्युरोक्रैटिक अवरोधों को कम करके तथा विनियमनों को सुव्यवस्थित करके आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है। डीपीआईआईटी कई प्रमुख पहलों की देखरेख करता है, जिनमें एफडीआई नीति संबंधी सुधार, नेशनल सिंगल विंडो सिसटम (एनएसडब्ल्यूएस), व्यापार सुधार कार्य योजना (बीआरएपी), बी-रेडी मूल्यांकन, जन विश्वास अधिनियम और व्यवसायों एवं नागरिकों पर अनुपालन बोझ को कम करने का कार्यक्रम शामिल है।

(ङ): सरकार भारत के विज़न 2047 सहित नीतियों और कार्यक्रमों को उपयुक्त बनाने के लिए ऐसे विभिन्न प्रासंगिक अकादमिक अध्ययनों से प्राप्त अंतर्दृष्टि को शामिल करती है। इसके अलावा, भारत सरकार वर्तमान में सुधार और विकास के लिए वैश्विक सूचकांक (जीआईआरजी) पहल के तहत विशिष्ट वैश्विक सूचकांकों की मॉनिटरींग कर रही है। हालाँकि, यह "ईआईयू का व्यवसाय एनवायरनमेंट सूचकांक" रिपोर्ट जीआईआरजी पहल का हिस्सा नहीं है।

***